9.6.1993 से संशोधित कर दिया गया है जिसके अंतर्गत लौह एवं इस्पात के संबंध में विद्यमान उपबंधों के अतिरिक्त, कोयला खनन क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी की, विद्युत के उत्पादन में ग्रहीत उपभोग के लिए, वाशरियों को स्थापित किए जाने के लिए और अधिसूचित किए जाने वाले अन्य अंतिम प्रयोगों के लिए, अनुमति प्रदान की गई है। इससे विदेशी भागीदारी को भी अनुमति मिल गई है, जोकि खान तथा खनिज (विनियमन एवं विकास) अधिनियम की शर्तों के अंतर्गत दी गई है। इस नीति के अंतर्गत केवल संभावित क्षेत्रों की पेशकश की गई है और विद्यमान खानों की पेशकश नहीं की गई है।

(ग) से (ङ) दिनांक 17.12.93 को पांच केन्द्रीय मजदूर संघों के प्रतिनिधियों ने यह सूचित किया कि वे अपने दस सूत्रीय मांगों के समर्थन में दिनांक 31.1.1994 को हड़ताल करेंगे। इन मांगों में एक मांग कोयला उद्योग का निजीकरण किए जाने से संबंधित सभी कारवाईयों पर रोक लगाए जाने से संबंधित थी।

किन्तु, मांगों पर विचार-विमर्श किए जाने के बाद सभी मजदूर संघों ने "सीटू" को छोड़कर हड़ताल का नोटिस वापस ले लिया। "सीटू" ने दिनांक 31.1.1994 को सांकेतिक हड़ताल की।

**बिहार में कोयले का उत्पादन**

669. **श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया:** क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बिहार में पिछले तीन वर्षों के दौरान कोयले का कुल कितना उत्पादन हुआ तथा उसका वर्षवार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या उक्त अवधि के दौरान कोयला उत्पादन का निर्धारित लक्ष्य पूरा कर लिया गया था और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) सरकार बिहार में कोयला उत्पादन के लक्ष्य स्तर को बनाए रखने के लिए क्या प्रयास कर रही है?

**कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजीत कुमार पांजा):** (क) और (ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान कोल इंडिया लि॰ के अन्तर्गत बिहार राज्य में स्थित खानों के कोयले के उत्पादन लक्ष्य तथा वास्तविक उत्पादन को नीचे दिया गया है:—

(मिलियन टन में)

कोयला उत्पादन

| 1990-91 | | 1991-92 | | 1992-93 | |
|---|---|---|---|---|---|
| लक्ष्य | वास्तविक | लक्ष्य | वास्तविक | लक्ष्य | वास्तविक |
| 65.63 | 63.39 | 65.62 | 64.84 | 68.02 | 66.68 |

विद्युत की कमी, श्रमिकों की अनुपस्थिति, कानून एवं व्यवस्था की समस्या, झारखंड आन्दोलन आदि के कारण उत्पादन में कमी आई है।

(ग) कोयला का उत्पादन बढ़ाने के लिए उठाये गये कदमों में निम्न शामिल हैं—नई खानें खोला जाना, विद्यमान खानों का आधुनिकीकरण, अधिकतम परिणाम प्राप्त करने तथा समय पर निवेश एवं अधसंरचनात्मक सुविधायें उपलब्ध कराने की सुनिश्चितता के लिए नई प्रौद्योगिकी का अपनाया जाना।

**कोयला कंपनियों में निवेशित धन**

670. **चौधरी हरमोहन सिंह:** क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 30 अक्तूबर, 1993 तक कोयला कंपनियों में कुल कितने धन का निवेश किया गया है;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान इन कंपनियों को कितनी हानि एवं लाभ हुआ है;

(ग) क्या सरकार ने घाटे में चल रही कंपनियों के अधिकारियों के कार्यकरण की समीक्षा की है; और

(घ) यदि हां, तो सरकार ने इस संबंध में क्या कार्यवाही की है?

**कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा):** (क) कोल इंडिया लि० (को०ई०लि०) द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के अनुसार को०ई०लि० तथा उसकी सहायक कंपनियों में 30 अक्तूबर, 1993 तक 15788 करोड़ रु० (अनंतिम) की कुल राशि का पूंजी निवेश किया गया।

(ख) पिछले 3 वर्षों के दौरान कोल इंडिया लि० तथा उसकी सहायक कंपनियों में हुए लाभ/हानि को नीचे दर्शाया गया है:—

(करोड़ रु० में)
लाभ (+)/हानि (-)

| कंपनी | 1990-91 | 91-92 | 92-93 |
|---|---|---|---|
| ई०को०लि० | (-) 42.74 | (+) 38.90 | (-) 17.20 |
| भा०को०क्षे०लि० | (-) 96.27 | (-) 48.12 | (-) 73.84 |
| से०क्षे०लि० | (+) 5.26 | (+) 103.77 | (+) 41.56 |
| ना०को०लि० | (+) 22.58 | (+) 34.24 | (+) 190.72 |
| वे०को०लि० | (-) 95.40 | (+) 33.17 | (+) 11.80 |
| सा०ई०क्षे०लि० | (-) 20.79 | (+) 25.61 | (+) 133.40 |
| म०क्षे०लि० | — | — | (+) 43.73 |
| के०ख०आ०डि०सं०लि० | (+) 2.06 | (+) 2.12 | (+) 2.50 |
| क्षे०इ०लि०, ना०ई०को०, दा०घा०नि० | (-) 27.87 | (-) 22.62 | (-) 41.40 |
| कुल को०ई०लि० | (-) 253.17 | (+) 167.07 | (+) 291.27 |

(ग) और (घ) दो सहायक कंपनियों, जिन्होंने इन सभी वर्षों में हानि उठाई है वे निम्न हैं—ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि० (ई०को०लि०) तथा भारत कोकिंग कोल लि० (भा०का०को०लि०)। इन कंपनियों के कार्य-निष्पादन पर विभिन्न स्तरों पर आवधिक रूप में जांच की जाती है, जिसमें सरकारी स्तर भी शामिल है। इन कंपनियों द्वारा जिन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है उनमें निम्न शामिल हैं—कठिन खनन परिस्थितियां, अधिक कार्यशक्ति का होना, कम उत्पादकता तथा विद्युत की कमी। श्रमशक्ति को युक्ति संगत करने, उत्पादन तथा उत्पादकता में वृद्धि करने तथा अधिक विश्वसनीय विद्युत की आपूर्ति किए जाने के लिए कोयला फील्डों को अलग करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इन उपायों के परिणामस्वरूप कार्य-निष्पादन में सुधार आने तथा हानि में कमी होने की संभावना है। जहां तक इन खानों के प्रभारी अधिकारियों का संबंध है, लक्ष्य की तुलना में उनके द्वारा किया गया निष्पादन उनके वार्षिक मूल्यांकन के मामले मे एक मुख्य मानदंड के रूप में रखा गया है।

## कोल इंडिया लिमिटेड का समापन

671. **श्री राम सिंह राठवा:** क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार एक समन्वयकारी कम्पनी कोल इंडिया लि० का समापन करने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान कोल इंडिया लिमिटेड के कार्यकरण पर कुल कितना धन खर्च हुआ?

**कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा):** (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता है।

(ग) पिछले 3 वर्षों के दौरान कोल इंडिया लि०